मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MHN–010

एम. ए. हिन्दू अध्ययन (एम. ए. एच. एन.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम. एच. एन.-010 : विविध विद्या-परम्परा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* ***दो*** *खण्डों में है। सभी* ***खण्ड*** *अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश—निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

$4 \times 15 = 60$

1. ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति के पारम्परिक सिद्धान्तों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

2. आयुर्वेद के मूल सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

3. विद्या एवं शिक्षा के स्वरूप का अलग-अलग वर्णन कीजिए।

4. पठित अंश के आधार पर खगोल का परिचय लिखिए।

5. सृष्टि विद्या के अन्तर्गत आपने किन सिद्धान्तों का अध्ययन किया है ? अपने शब्दों में लिखिए।

6. गणित के आचार्य के रूप में आर्यभट्ट एवं ब्रह्मगुप्त के योगदान का वर्णन कीजिए।

7. गणित के उद्‌भव एवं विकास पर निबन्ध लिखिए।

8. लोक विद्या के रूप में विभिन्न कलाओं का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश—निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

$4 \times 10 = 40$

1. ज्ञान एवं शिक्षा के महत्व का निरूपण कीजिए।

2. गणित की परम्परा में श्रीपति एवं गणेश दैवज्ञ का वर्णन कीजिए।

3. खगोल विद्या के किन्हीं **दो** आचार्यों के योगदान का निरूपण कीजिए।

4. काव्य की उत्पत्ति की अवधारणा या पृष्ठभूमि का वर्णन कीजिए।

5. काव्य की उत्पत्ति विषयक राजशेखर के मत का वर्णन कीजिए।

6. योगसूत्र का प्रतिपाद्य लिखिए।

7. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए—

(क) हठयोग

(ख) लोक आख्यान

× × × × ×